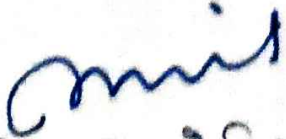


12-04-23

घत्रावली पैश डई। वकील वादीगण उपस्थित नहीं।
वकील वादीगण एवं वादीगण को बार-बार आवाज लगाने
पर भी उपस्थित नहीं हुए। अतः यह वादपत्र दायम पैरवी एवं
दायम हाजिरी में इसी स्तर पर त्वायिज किया जाता है।
घत्रावली बाद तरीब तकमील होकर दाखिल दफ्तर हो।
निर्णय लिखाया जाकर पुढे न्यायालय में सुनाया

गण्य।


(सुमिता बिन्दु)
अधिवक्ता
घड़साना